HANDOUT

पाठ – 2 राम–लक्ष्मण-परशुराम संवाद (कवि – तुलसीदास)

MODULE – 2

1. परशुराम जी लक्ष्मण को कुबुद्धि और कुटिल बताते है।

2. लक्ष्मण की तुलना सूर्यवंश में कलंक के समान की है। जिस प्रकार पूर्ण चन्द्रमाँ दिखने में बहुत सुन्दर होता है परन्तु उसमें दिखाई देने वाले धब्बे कलंक के समान प्रतीत होते हैं।

3. लक्ष्मण को उद्दंड , मूर्ख और निडर बताते हैं क्योंकि लक्ष्मण परशुराम की प्रत्येक बात का व्यंग्य में उत्तर दे रहे थे।

4. लक्ष्मण द्वारा फूँक से पहाड़ उड़ाने व कुम्हड़बतिया न होने जैसे तर्क देने तथा व्यंग्योक्तियाँ कहने से परशुराम का क्रोध बढ़ गया।

5. लक्ष्मण की व्यंग्योक्तियाँ , परशुराम जी का क्रोध , बड़बोलेपन एवं विश्वामित्र जी की मधुरवाणी वर्णन को रोचकता प्रदान करती है।